Tanmay Kr Sing

B.A./4th Sem (G)/SNSK/23(CBCS)

2023

4th Semester Examination

SANSKRIT (General)

Paper : DSC 1D/2D-T

[Sanskrit Grammar]

Full Marks : 60 Time : Three Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नेषु **दशप्रश्नाः** समाधेयाः। 2×10=20

১। নীচের ***দশটি*** প্রশ্নের সমাধান কর। ২×১০=২০

(क) कति माहेश्वरसूत्राणि ? तेषु कस्यचित् सूत्रद्वयस्य उल्लेखः करणीयः।

(ক) কতগুলি মাহেশ্বরসূত্র? সেগুলির মধ্যে থেকে যেকোনো দুটির উল্লেখ কর।

(ख) 'लघुसिद्धान्तकौमुदीं' कः लिखितवान्? 'कौमुदी' इति शब्दस्य अर्थः कः ?

(খ) 'লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী' কে লিখেছিলেন? 'কৌমুদী' এই শব্দটির অর্থ কি?

P.T.O.

(গ) উদাত্তসংজ্ঞায়াঃ অনুদাত্তসংজ্ঞায়াঃ চ সূত্রং লেখনীয়ম্।

(গ) উদাত্তসংজ্ঞা ও অনুদাত্তসংজ্ঞার সূত্র লেখ।

(ঘ) পদসংজ্ঞা কস্য ভবতি? একম্ উদাহরণং প্রদেয়ম্।

(ঘ) পদসংজ্ঞা কার হয়? একটি উদাহরণ দাও।

(ঙ) চ-কারস্য উচ্চারণস্থানং কিম্? স-কারস্য উচ্চারণস্থানং কিম্?

(ঙ) চ-কারের এবং স-কারের উচ্চারণস্থান কি কি?

(চ) অ, এ, ও ইত্যেতেষাং ব্যাকরণে কা সংজ্ঞা ভবতি? আ, ঐ, औ ইত্যেতেষাং চ ব্যাকরণে কা সংজ্ঞা ভবতি?

(চ) অ, এ, ও — এইগুলির ব্যাকরণে কি সংজ্ঞা হয়? এবং আ, ঐ, ঔ এইগুলির ব্যাকরণে কি সংজ্ঞা হয়?

(ছ) 'লোপঃ শাকল্যস্য' ইত্যত্র শাকল্যঃ কঃ? কস্য নাম লোপঃ?

(ছ) 'লোপঃ শাকল্যস্য' — এখানে শাকল্য কে? লোপ কাকে বলে?

(জ) লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদ্যনুসারং উপসর্গাঃ কতিবিধাঃ? তেষু কস্যচিত্ উপসর্গদ্বয়স্য নাম লেখনীয়ম্।

(জ) লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে উপসর্গ কটি? সেগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি উপসর্গের নাম লেখ।

(ঝ) সন্ধিং করোতু কয়োরপি *দ্বয়োঃ* —

(অ) শশ+অঙ্কঃ (আ) গণ+ঈশঃ (ই) তদ্+জন্ম (ঈ) পুনঃ+আগতঃ

(ঝ) সন্ধি করো যেকোনো *দুটির* —

(অ) শশ+অঙ্কঃ (আ) গণ+ঈশঃ (ই) তদ্+জন্মঃ (ঈ) পুনঃ+আগতঃ

(ঞ) সন্ধিবিচ্ছেদং করোতু কয়োরপি *দ্বয়োঃ* —

(অ) সচ্চিত্ (আ) বাগীশঃ (ই) দেবালয়ঃ (ঈ) গিরীন্দ্রঃ।

(ঞ) সন্ধিবিচ্ছেদ কর যেকোনো *দুটির* —

(অ) সচ্চিৎ (আ) বাগীশঃ (ই) দেবালয়ঃ (ঈ) গিরীন্দ্রঃ

(ট) 'মোঽনুস্বারঃ' ইতি সূত্রেণ হল্‌বর্ণে পরে মান্তপদস্য কিং ভবতি? একম্ উদাহরণং প্রদেয়ম্।

(ট) 'মোঽনুস্বারঃ' এই সূত্রানুযায়ী ম-বর্ণ পরে থাকলে মকারান্তপদের কি হয়? একটা উদাহরণ দাও।

(ঠ) কর্তুঃ ঈপ্সিততমস্য কা সংজ্ঞা ভবতি? সম্বোধনার্থে কা বিভক্তিঃ বিধীয়তে?

(ঠ) কর্তার ঈপ্সিততমের কি সংজ্ঞা হয়? সম্বোধনে কি বিভক্তি হয়?

P.T.O.

(ङ) अनुक्ते करणकारके का विभक्तिः विधीयते ? एकमुदाहरणं दीयताम्।

(ড) অনুক্ত করণকারকে কি বিভক্তি হয়? একটি উদাহরণ দাও।

(ढ) द्विकर्मकधातुः कतिविधः ? तेषु कस्यचित् धातुद्वयस्य नाम लेखनीयम्।

(ঢ) দ্বিকর্মকধাতু কটা? তাদের মধ্যে থেকে যেকোনো দুটির উল্লেখ কর।

(ण) शब्दयोगे चतुर्थीविभक्तेः केषाञ्चित् चतुर्णां शब्दानामुल्लेखः कार्यः।

(ণ) কি কি শব্দের যোগে চতুর্থী বিভক্তি হয়?

2. एतेषु ***चत्वारः*** प्रश्नाः समाधेयाः। 5×4=20

২। নীচের ***চারটি*** প্রশ্নের সমাধান কর। ৫×৪=২০

(क) अ-वर्णस्य अष्टादशभेदानां नाम उल्लिख्यताम्।

(ক) আঠারো প্রকারের অ-বর্ণের ভেদগুলির নাম লেখ।

(ख) 'इको यणचि' इति इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या।

(খ) 'ইকো যণচি' সূত্রটির উদাহরণসহ ব্যাখ্যা লেখ।

(ग) कारकं नाम किम्? कति कारकाणि? कानि च तानि? सम्प्रदानकारकस्य सूत्राणि कानि?

(গ) কারক কাকে বলে? কটি কারক ও কি কি? সম্প্রদান কারকের সূত্রগুলি কি কি?

(घ) 'ध्रुवमपायेऽपादानम्' इति इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या।

(घ) 'ধ্রুবমপায়েঽপাদানম্' সূত্রটির উদাহরণসহ ব্যাখ্যা লেখ।

(ङ) 'रामश्चिनोति' इति पदस्य ससूत्रं साधनं करोतु।

(ঙ) 'রামশ্চিনোতি' এই পদটির সূত্রসহকারে সাধন কর।

(च) विसर्गसन्धिषु सत्वसन्धेः तथा रुत्वसन्धेः एकमेकमुदाहरणं ससूत्रमालोच्यताम्।

(চ) বিসর্গসন্ধির মধ্যে সত্বসন্ধি এবং রুত্বসন্ধির এক একটি উদাহরণ সূত্রসহ আলোচনা কর।

3. निम्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

৩। নীচের ***দুটি*** প্রশ্নের সমাধান কর। ১০×২=২০

(क) माहेश्वरसूत्रेषु कति इत्-वर्णाः ? के च ते ? हकारादिष्वकारः किमर्थः ? प्रत्याहारगठनप्रक्रिया आलोचनीया।

3+1+6=10

(ক) মাহেশ্বর সূত্রে কটি ইৎ বর্ণ ও সেগুলি কি কি? হকারাদিতে অকার কি জন্য? প্রত্যাহারগঠনপ্রক্রিয়া আলোচনা কর। ৩+১+৬=১০

(ख) 'झलां जशोऽन्ते', 'हशि च' चेति सूत्रद्वयस्य लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं सोदाहरणं व्याख्या कार्या।

5+5=10

P.T.O.

(খ) 'झलां जशोऽन्ते' ও 'हशि च' সূত্রদুটির লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে উদাহরণসহ ব্যাখ্যা কর। ৫+৫=১০

(গ) विभक्तिः नाम का? कति विभक्तयः? काः च ताः? ससूत्रं सोदाहरणं च सर्वासाम् आलोचनां करोतु।
1+3+6=10

(গ) বিভক্তি কাকে বলে? বিভক্তি কতগুলি ও কি কি? সূত্র ও উদাহরণ সহযোগে সকল প্রকার বিভক্তির আলোচনা কর। ১+৩+৬=১০

(ঘ) कर्मणि का विभक्तिः विधीयते? किं मुख्यकर्म किञ्च गौणकर्म अकथितकर्म वा? कुत्र च गौणकर्म भवेत् लघुसिद्धान्ताकौमुद्यनुसारं सोदाहरणम् सम्यग् आलोच्यताम्। 1+4+5=10

(ঘ) কর্মকারকে কি বিভক্তি হয়? মুখ্য কর্ম কি ও গৌণ বা অকথিত কর্ম কি? কোথায় কোথায় গৌণকর্ম বা অকথিত কর্ম হয় লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুযায়ী উদাহরণসহ আলোচনা কর। ১+৪+৫=১০